# Enagic®

## INDEPENDENT DISTRIBUTOR

*Change your Water...*
*Change your life*

THE GOLD STANDARD

TESTED AND CERTIFIED · WaterQuality · UNDER INDUSTRY STANDARDS

DSA · DIRECT SELLING ASSOCIATION MEMBER

QUALITY ISO 9001 CERTIFICATION

QUALITY ISO 14001 CERTIFICATION

QUALITY ISO 13485 CERTIFICATION

## CERTIFICATIONS FOR ENAGIC

**GLOBAL OFFICES**

**23 COUNTRIES**

**40 LOCATIONS**

**Strong Kangen Water, Beauty Water.**
**Strong Acidic Water**
**Neutral Water (Chlorine Free)**

# ओशिरो कहते हैं...

लोगों को बिजनेस में सफल होने के लिए बार-बार स्वयं का पुनर्मूल्यांकन करते रहना चाहिए एवं जो भी आपके लक्ष्य है उन्हें बदल देना चाहिए. चुनौतियां अपरिहार्य है इनसे मुंह नहीं मोड़ा जा सकता, इनका सामना करने की जरूरत होती है. एक रचनात्मक दिमाग एवं एक शक्तिशाली शरीर चुनौतियों का सामना कर सकता है.

ऐसा समय भी आया जब पूरी दुनिया रुक गई थी... विकास के पहिए थम गए थे, लेकिन हमारे डिस्ट्रीब्यूटर इन चुनौतियों का बखूबी सामना किया और नए-नए माध्यम विकसित किए. नई तकनीकी विकसित की नया सृजन किया जिससे की कामयाबी के नए दरवाजे खुले. कहते हैं ना जहां चाह वहां राह...

मैं आप सभी को आप की लगन और मेहनत के लिए धन्यवाद देता हूं. जिसके कारण आज हम 20000 केंगन वाटर मशीन पूरी दुनिया में प्रति माह बेच पा रहे हैं और अब हमने 25000 केंगन वाटर मशीन पूरी दुनिया में प्रति माह बेचने का नया लक्ष्य रखा है. आप लोग यह लक्ष्य पूरा कर पाएंगे इसकी मैं आशा करता हूं . मुझे आप पर पूरा भरोसा है मुझे कतई भी संदेह नहीं है आप लोगों के ऊपर... मैं जानता हूं आप इस लक्ष्य को भी प्राप्त कर लेंगे. जिस तरह से आप लोग एक-दूसरे का सहयोग करते हैं यह वास्तव में प्रेरणादायक है.

आप हमेशा स्वयं को भविष्य की ओर केंद्रित करें तथा अपनी टीम को भी यह प्रेरणा दें कि वह अपनी याददाश्त को थोड़ा छोटा रखें बिल्कुल एक स्लेट की तरह जिस तरह हम स्लेट पर लिखा हुआ आसानी से मिटा देते हैं उसी प्रकार से हर महीने, हर सप्ताह, हर दिन, हर साल एक नई शुरूआत करें. आप निर्धारित करें कि आपने भेजी हुई ऊर्जा और आपका केंद्रित होना आपकी टीम और आपके कस्टमर आसानी से देख पाए क्योंकि यही उन्हें बदलेगा, यही उन्हें उत्साह से भरेगा, यही उन्हें आशा से भरेगा. प्रतिदिन थोड़ा-सा मुस्कुराए ताकि अच्छी चीजें आपके पास वापस आए और आपके बिजनेस को बढ़ाएं.

मैं आपसे इतना ही कहूंगा कि केंगन पानी से भरे हुए गिलास को उठाइए और अपने भविष्य की... अपने सुंदर भविष्य की नींव रखिए. धन्यवाद

- होरिनारी ओशिरो, सीईओ एनेजिक

# अपना पानी बदलिए... अपनी जिंदगी बदलिए...

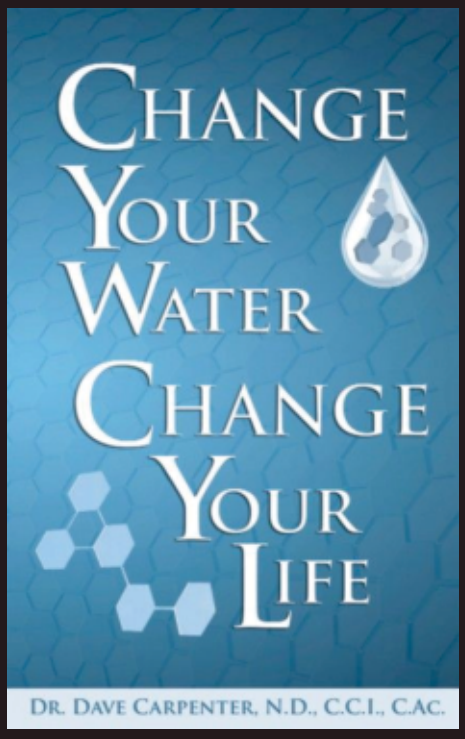


अगर आप मछली पालने के शौकीन है तो आप भली-भांति जानते होंगे कि जब भी आपको आपके घर पर मौजूद फिश एक्वेरियम मैं पाई जाने वाली मछलियां कुछ सुस्त-सी, बीमार-सी दिखती है तब आप क्या करते हो, क्या उन्हें किसी केमिस्ट के पास ले जाते हो या उन्हें कोई मेडिसिन देते हो या फिर उस एक्वेरियम का पानी बदलते हो... निश्चित ही आप इक्वेरियम का पानी बदलते हो और आप देखते हो कि कुछ ही समय में मछली वापस तरोताजा और फुर्तीली हो जाती है. लेकिन आप अपने साथ क्या करते हो जब भी आप बीमार पढ़ते हो आप गोली खाते हो तो फिर मछली को गोली क्यों नहीं देते क्योंकि गोली के द्वारा चिकित्सा नहीं हो सकती.

शरीर के वह सभी अवयव जैसे हमारा लीवर, बड़ी आत, किडनी, गाल ब्लैडर, फेफड़े तथा हमारे शरीर की चमड़ी जो पसीना शरीर से बाहर कर सकती है, इन सभी अवयवों को हमारे शरीर से गंदगी बाहर फेंकने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है अगर इन्हें उचित मात्रा में पानी नहीं मिला तो हमारे शरीर के अंदर कचरा इकट्ठा होने लगता है जो हमारे सेल्स को घेर लेता है हमारा शरीर सुस्त पड़ जाता है और इसी को हम डिहाइड्रेशन कहते हैं. Ionized पानी शरीर को पूरी तरह से हाइड्रेट करने का एक बेहतरीन विकल्प है.

**- डॉक्टर डी. कारपेंटर**

आपको पता है यह जो छोटी सी देह आपको मिली है बड़ी अद्भुत है यह सबसे बड़ा मिरेकल है इस जमीन पर आप थोड़ा सा खाना खाते हैं और आपका छोटा-सा पेट उसको पचा देता है यह बड़ा मिरेकल है अभी विज्ञान का इतना विकास हुआ है. अगर हम बहुत बड़े कारखाने खड़े कर दें और हजारों विशेषज्ञ लगाएं तो भी एक रोटी को पचाकर खून बना देना मुश्किल है. यह शरीर आपका एक मिरेकल कर रहा है 24 घंटे. छोटा-सा शरीर, थोड़ी-सी हड्डियां थोड़ा-सा मास.

सबसे पहले अपने शरीर के प्रति कृतज्ञ हो जाए क्योंकि जो अपने शरीर के प्रति कृतज्ञ होगा वही दूसरों के शरीर के प्रति भी कृतज्ञ हो सकता है. सबसे पहले अपने शरीर के प्रति प्रेम से भर जाए क्योंकि जो अपने शरीर के प्रति प्रेम से भर जाता है वही दूसरों के शरीर से प्रेम कर सकता है. आपका शरीर एक अद्भुत संस्थान है, एक मिरेकल है, इसके प्रति आपको ग्रेटीट्यूड देना जरूरी है.

इस शरीर में ऐसा क्या है, जो शरीर में है वहीं पंचमहाभूतों से मिला है. शरीर के प्रति कृतज्ञ हो इन पंचमहाभूतों के प्रति कृतज्ञ हो.जब आप समुद्र के किनारे बैठते हैं क्या आपने कभी ख्याल किया है कि आपके शरीर में 70% समुद्र है पानी है. मनुष्य से पहले कीटाणुओं का जो पहला जन्म हुआ वह समुद्र में ही हुआ और अब आप यह भी जान के हैरान होंगे कि आपके शरीर में भी नमक का और पानी का वही अनुपात है जो समुद्र में है और उस अनुपात से जब भी शरीर इधर-उधर हो जाएगा तो शरीर बीमार हो जाएगा. कभी समुद्र के किनारे बैठकर आपने अनुभव किया है कि मेरे भीतर भी समुद्र का एक हिस्सा है और मेरे भीतर जो हिस्सा है समुद्र का उसके लिए मुझे समुद्र का कृतज्ञ होना चाहिए. इस कृतज्ञता के बिना कोई भी व्यक्ति धार्मिक नहीं हो सकता. - ओशो

## pH Scale

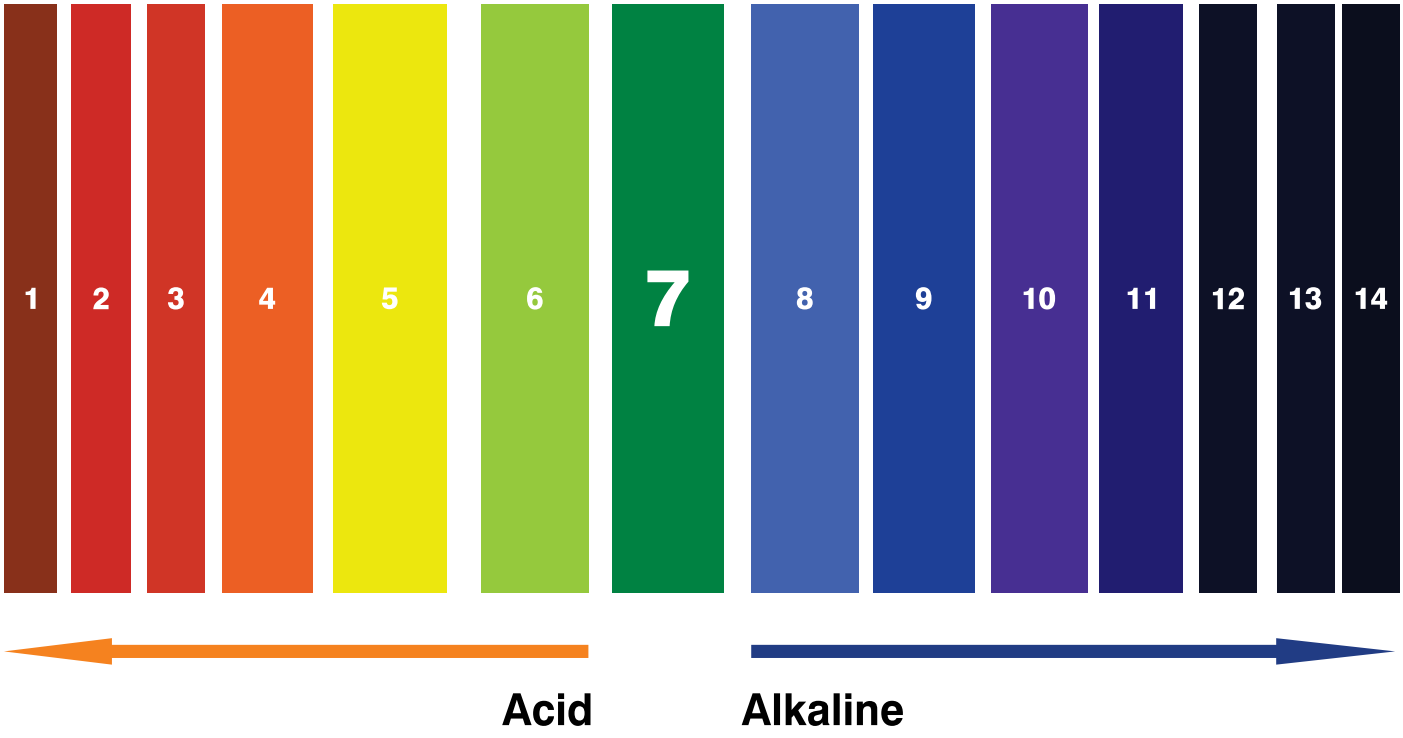


कैंसर के मूलभूत कारणों को खोजा और पूरी दुनिया को यह बताया कि कैंसर के सेल बिना ऑक्सीजन के भी जिंदा रह सकते हैं एवं खुद का विकास कर सकते हैं. इन्होंने कई खोजें की जिसमें की रेस्पिरेट्री एंजाइम के स्वभाव एवं उसकी कार्यप्रणाली पर की गई खोज के कारण इन्हें सन 1931 में नोबेल प्राइज से नवाजा गया. इन्होंने शरीर में होने वाले ट्यूमर पर भी काफी शोध किए है और इस नतीजे पर पहुंचे की कैंसर के सेल्स ऑक्सीजन से भरपूर वातावरण में जिंदा नहीं रह सकते वह ऑक्सीजन के संपर्क में आने पर मर जाते हैं.

**- डॉ. ओटो हेनरिच वारबर्ग**

# अस्थमा की रोकथाम में भी यह पानी काफी फायदेमंद है

आयुर्वेद कहता है कि आपके फेफड़े केवल और केवल रक्त धातु से बने हैं. हमारे रक्त में 85% पानी होता है. IONIZED पानी से फेफड़ों का विकास संभव है, क्योंकि साधारण पानी फेफड़ों को हाइड्रेट नहीं कर पाता जबकि IONIZED पानी सूक्ष्म होने के कारण एवं हाइड्रोजन से भरपूर होने के कारण फेफड़ों के सेल्स में आसानी से पहुंच कर फेफड़ों की क्षमता में आश्चर्यजनक रूप से वृद्धि करता है.

डॉक्टर बॉटमेनझी के अनुसार अस्थमा का मूल कारण ही फेफड़ों का डिहाइड्रेटेड होना है. IONIZED REDUCED पानी ना केवल फेफड़ों को हाइड्रेट करता है अपितु उनकी कार्य क्षमता को भी बढ़ाता है जिसके कारण हमारी स्वास्थ स्वास विश्वास की गति नियंत्रित होती है और हमारी आयु बढ़ती है, हम दीर्घायु होते हैं.

## एल्कलाइन पानी और एल्कलाइज्ड पानी में

# क्या कोई अंतर है?

सामान्य पानी को एल्कलाइन बनाया जा सकता है उसमें खीरा नींबू बेकिंग सोडा डालकर एक सामान्य पानी को अल्कलाइन बनाया जा सकता है. लेकिन जब भी हम इस प्रकार से पानी के अंदर मिनरल्स को डालते हैं तो हम पानी के संतुलन के साथ छेड़छाड़ करते हैं . इस प्रकार का पानी भारी होने के कारण और बड़ा होने के कारण हमारे सेल्स में प्रवेश नहीं कर पाएगा और हमारा शरीर डिहाइड्रेटेड ही रहेगा. वहीं दूसरी ओर अल्कलाइज पानी क्योंकि इलेक्ट्रोलिसिस से बना है इसलिए यह पानी छोटा है हमारे सेल्स में तुरंत प्रवेश करने की क्षमता रखता है इस पानी का सरफेस टेंशन हमारे सेल के सरफेस टेंशन से कम होता है इसलिए यह पानी तुरंत सेल्स में चला जाता है. इलेक्ट्रोलिसिस की प्रक्रिया के दौरान पानी में से हाइड्रोनियम आयन ($H_3O^+$) को निकाल दिया जाता है जिसके कारण पानी में केवल हाइड्रोसिल आयन ($OH^-$) बचता है जिसके कारण यह पानी अल्कलाइज हो जाता है बिना किसी केमिकल के प्रयोग से....

**तो फिर आप कौन-सा पानी पीना चाहेंगे एल्कलाइन पानी या फिर एल्कलाइज्ड पानी...**

# हाइड्रोजन एक एंटीऑक्सीडेंट की भूमिका मे..

इस मशीन से निकला हुआ पानी हाइड्रोजन से भरपूर होता है इसे हम मॉलिक्यूलर हाइड्रोजन भी कहते हैं इसे पीपीएम में नापा जाता है. यह मॉलिक्यूलर हाइड्रोजन एक महत्वपूर्ण एंटीऑक्सीडेंट माना गया है. इसे स्ट्रैटेजिक एंटी ऑक्सीडेंट भी कहते हैं.जब भी हम रेशेदार भोजन करते हैं या यूं कहें कि फाइबर युक्त भोजन करते हैं तब शरीर में उस भोजन के द्वारा अंततः हाइड्रोजन का ही निर्माण होता है ,पर जो लोग रेशेदार भोजन नहीं करते और नियमित रूप से पका हुआ भोजन ही करते हैं जिसे ऑक्सिडाइज्ड भोजन कहा जाता है, तो ऐसे व्यक्तियों के शरीर में हाइड्रोजन का निर्माण लगभग असंभव हो जाता है और ऐसी अवस्था में जो फ्री रेडिकल्स होते हैं जो की हानिकारक तत्व माने गए हैं हमारे शरीर में ऑक्सीडेटिव तनाव के कारण उत्पन्न होते हैं और यह हमारे सेल्स को डैमेज करते हैं. हमारे शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं और क्योंकि हम प्रचुर मात्रा में आवश्यक हाइड्रोजन नहीं लेते या रेशेदार भोजन का उपयोग नहीं करते तो ऐसी सूरत में शरीर एंटीऑक्सीडेंट बनाना कम कर देता है या फिर यूं कहें कि शरीर की एंटी ऑक्सीडेंट उत्पादन की क्षमता में गिरावट आती है.

ए९सी अवस्था में जब हम इस प्रकार का हाइड्रोजन से भरपूर पानी पीते हैं तो हमारे शरीर में मौजूद फ्री रेडिकल्स पानी में रूपांतरित होकर पेशाब के रास्ते निकल जाते हैं और इसी कारण हमारा शरीर तेजोमय और कांतिमय दिखने लगता है. चेहरे पर एक अलग ही चमक आ जाती है, इसी हाइड्रोजन के कारण शरीर के सॉफ्ट पार्ट्स जैसे स्प्लीन, लिवर, किडनी में जमा टॉक्सिन धीरे-धीरे निकलने लगते हैं और हमारा शरीर डीटॉक्सिफाई होने लगती है. शरीर के अंगों में यदि किसी प्रकार की सूजन या दर्द हो तो वह कम होने लगती है. क्योंकि हाइड्रोजन सूजन को कम करने में माहिर है.

# इलेक्ट्रोलिसिस की प्रक्रिया क्या है?

पानी में मौजूद हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को विद्युत के द्वारा अलग करना ही इलेक्ट्रोलिसिस कहलाता है. पानी में से हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को अलग करना कोई हंसी खेल नहीं है ,इसमें जबरदस्त ऊर्जा की आवश्यकता होती है जो हमें विद्युत के द्वारा इस मशीन में मौजूद ट्रांसफार्मर की मदद से मिलती है. इलेक्ट्रोलिसिस की प्रक्रिया के दौरान पानी में मौजूद मिनरल्स जैसे कैल्शियम मैग्नीशियम इत्यादि भी हाइड्रोजन के साथ-साथ कैथोड पर आ जाते हैं जिसे हम पीने के लिए इस्तेमाल करते हैं इसी कारण इसको कैथोडिक वाटर भी कहा जाता है. इस प्रक्रिया के दौरान पानी में मौजूद कैल्शियम और मैग्नीशियम का रूपांतरण कैल्शियम हाइड्राइड एवं मैग्नीशियम हाइड्राइड में हो जाता है जो हमारे शरीर के लिए काफी फायदेमंद साबित होते हैं. इसी कारण इस पानी को पीने से हमारी बोन डेंसिटी भी बढ़ती है और ऑस्टियोपोरोसिस में हमें विशेष लाभ प्राप्त होता है. मशीन की संरचना कुछ इस प्रकार से की गई है कि इलेक्ट्रोलिसिस की प्रक्रिया के दौरान पानी में मौजूद अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड गैस भी निकल जाती है जिस कारण से पानी का स्वाद अच्छा लगने लगता है. इस मशीन में मौजूद एक विशेष फिल्टर के कारण पानी में मौजूद क्लोरीन भी हम तक नहीं पहुंचता वरन नीचे से निकाल दिया जाता है अर्थात हमारा पानी क्लोरीन रहित होता है तथा पानी में मौजूद ईकोलाई बैक्टीरिया भी हम तक नहीं पहुंच पाता और हमारा पानी इस बैक्टीरिया से भी रहित होता है. यह इस विशेष फिल्टर का कमाल है.

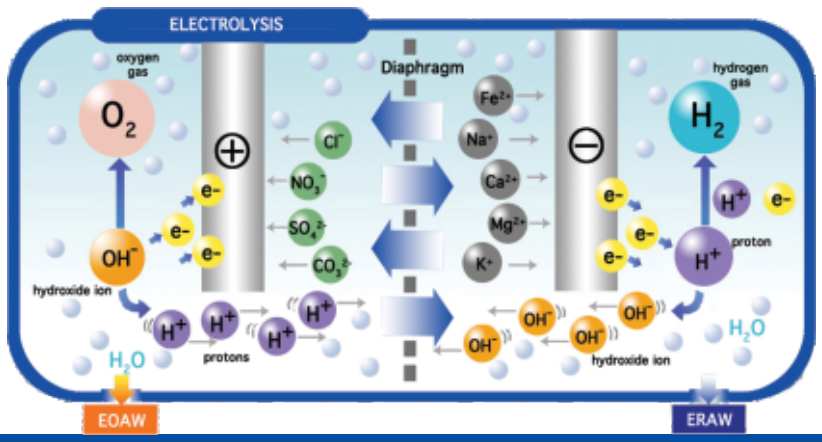

Our body is

# 70% Water

**Brain** 74.5% water

**Blood** 83% water

**Muscles** 76% water

**Liver** 86% water

**Heart** 79% water

**Kidneys** 83% water

**Lungs** 80% water

**Fat** 20% water

**Skin** 70% water

**Bones** 22% water

**Joints** 83% water

**Connective Tissue**
60% water

**Eyes**
95% water

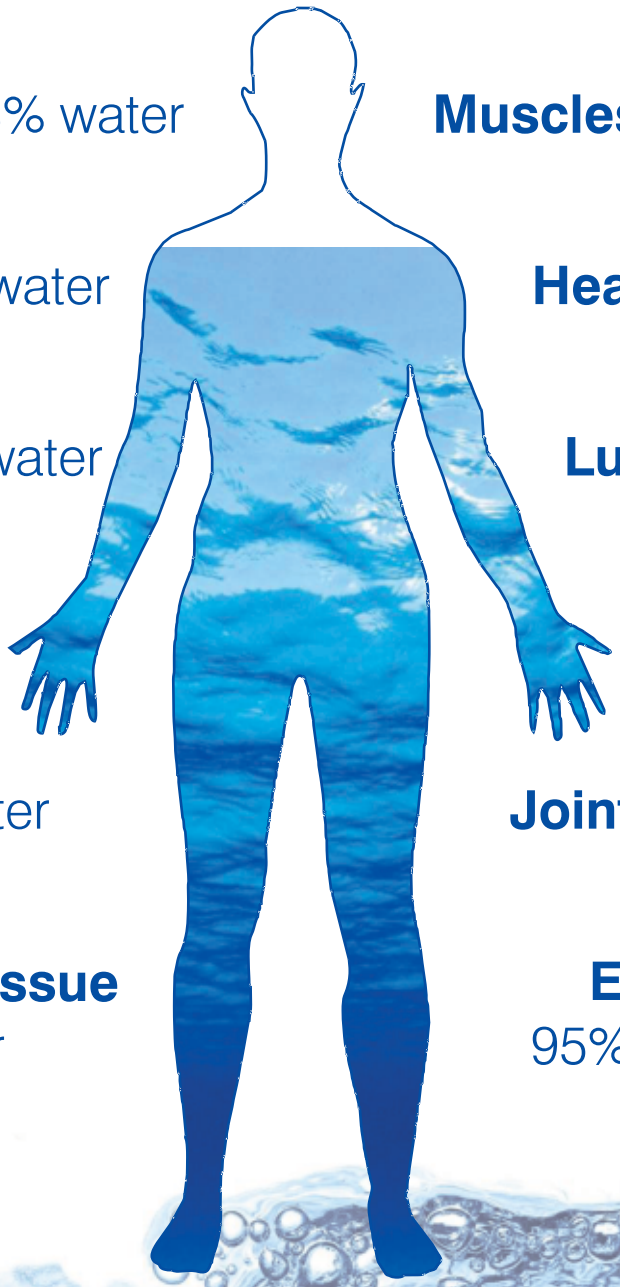

do you know, who you are ? Actually

# YOU ARE WATER

Healing is voltage, recharge your body with Kangen Water

# Leveluk JR IV

**2,18,000/-**
Shipping Charges Extra

## Product Specifications

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **Electrode plates** | : | **4** | | |
| Plate size | : | 135 x 75 (mm) | | |
| **Negative ORP** | : | **-450 (mV)** | | |
| pH Range | : | 2.5 – 11.5 | | |
| Generates | : | 5 water types | | |
| Wattage | : | 120 (W) | | |
| Total weight | : | 5.3 (kg) | | |
| Dimensions WHD | : | 264 x 338 x 171 (mm) | | |
| Production rate | : | Kangen Water® | : | 3.0 – 4.9 (l/min) |
| | | Acidic Water | : | 0.2 – 1.9 (l/min) |
| | | Strong Acidic Water | : | 0.3 – 0.7 (l/min) |
| Ease of Use | : | Fully automatic unit | | |
| Languages | : | 1 | | |
| Warranty | : | 3 (years) | | |

# Leveluk SD501

**2,77,000/-**
Shipping Charges Extra

## Product Specifications

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **Electrode plates** | : | **7** | | |
| Plate size | : | 135 x 75 (mm) | | |
| **Negative ORP** | : | **-800 (mV)** | | |
| pH Range | : | 2.5 – 11.5 | | |
| Generates | : | 5 water types | | |
| Wattage | : | 230 (W) | | |
| Total weight | : | 5 (kg) | | |
| Dimensions WHD | : | 264 x 338 x 171 (mm) | | |
| Production rate | : | Kangen Water® | : | 4.5 – 7.6 (l/min) |
| | | Acidic Water | : | 1.5 – 2.6 (l/min) |
| | | Strong Acidic Water | : | 0.6 – 1.1 (l/min) |
| Ease of Use | : | Fully automatic, very simple to operate | | |
| Languages | : | 1 | | |
| Warranty | : | 5 (years) | | |

# Leveluk SD501 Platinum

**2,97,000/-**
Shipping Charges Extra

## Product Specifications

| | | |
|---|---|---|
| **Electrode plates** | : | **7** |
| Plate size | : | 135 x 75 (mm) |
| **Negative ORP** | : | **-800 (mV)** |
| pH Range | : | 2.5 – 11.5 |
| Generates | : | 5 water types |
| Wattage | : | 230 (W) |
| Total weight | : | 6.3 (kg) |
| Dimensions WHD | : | 264 x 338 x 171 (mm) |
| Production rate | : | Kangen Water® : 4.5 – 7.6 (l/min) |
| | | Acidic Water : 1.5 – 2.6 (l/min) |
| | | Strong Acidic Water : 0.6 – 1.1 (l/min) |
| Ease of Use | : | Fully automatic, very simple to operate |
| Languages | : | 5 |
| Warranty | : | 5 (years) |

# Anespa DX

**2,00,000/-**
Shipping Charges Extra

## Product Specifications

| | | |
|---|---|---|
| Electrode plates | : | N/A |
| Plate size | : | N/A |
| Generates | : | Mineral ion water for your bath or shower |
| pH Range | : | Same as tap water |
| Wattage | : | N/A |
| Total weight | : | 2.5 (kg) |
| Dimensions W x Diameter | : | 130 x 346 (mm) |
| Production rate | : | 2.6 (l/min) |
| Ease of Use | : | Very simple to install and operate |
| Warranty | : | 3 (years) |
| New features for DX model | : | Larger ceramic cartridge containing a greater amount of ceramic balls. New, redesigned base for a more efficient filter replacement process. |

# Leveluk K8

**3,43,000/-**
Shipping Charges Extra

## Product Specifications

| | | |
|---|---|---|
| **Electrode plates** | : | **8** |
| Plate size | : | 135 x 75 (mm) |
| **Negative ORP** | : | **-850 (mV)** |
| pH Range | : | 2.5 – 11.5 |
| Generates | : | 5 water types |
| Wattage | : | 230 (W) |
| Total weight | : | 5 (kg) |
| Dimensions WHD | : | 345 x 279 x 147 (mm) |
| Production rate | : | Kangen Water® : 4.5 – 7.6 (l/min) |
| | | Acidic Water : 1.5 – 2.6 (l/min) |
| | | Strong Acidic Water : 0.6 – 1.1 (l/min) |
| Ease of Use | : | Fully automatic, very simple to operate |
| Languages | : | 8 |
| Warranty | : | 5 (years) |

# Leveluk Super 501

**3,97,000/-**
Shipping Charges Extra

## Product Specifications

| | | |
|---|---|---|
| **Electrode plates** | : | **7 & 5** |
| Plate size | : | 135 x 75 (mm) |
| **Negative ORP** | : | **-800 (mV)** |
| pH Range | : | 2.5 – 11.5 |
| Generates | : | 5 water types |
| Wattage | : | 200 (W) |
| Total weight | : | 10.1 (kg) |
| Dimensions WHD | : | 352 x 384 x 250 (mm) |
| Production rate | : | Kangen Water® : 4.9 – 7.9 (l/min) |
| | | Acidic Water : 1.9 – 3.0 (l/min) |
| | | Strong Acidic Water : 1.1 – 3.0 (l/min) |
| Ease of Use | : | Fully automatic, very simple to operate |
| Languages | : | 1 |
| Warranty | : | 3 (years) |

## क्या पानी का भी कोई आकार होता है तो यह बनता कैसे है?

पानी हमेशा ऊपर से नीचे की ओर बहता है. जैसे कि- झरने से नदी में गिरता है या ग्लेशियर से नदी में गिरता है तो ऐसी सूरत में पानी बार-बार चट्टानों से और पत्थरों से टकराता है, जब पानी इन चट्टानों से टकराता है तो वह टूटता है और उसका एक आकार बनता है और यह होता है hexagonal. पानी का यह आकार 5 मीटर तक रहता है इसके बाद फिर इसका आकार बदलता है पर क्योंकि पानी बार-बार नदी में मौजूद पत्थरों से चट्टानों से, टकराता रहता है तो इसका आकार बार-बार बदलता है और हर बार यह आकार हो जाता है hexagonal. हमारे शरीर को इसी प्रकार के आकार का पानी अवशोषित करने में सुविधा होती है. गलत आकार का पानी शरीर मैं मौजूद सेल्स में घुस नहीं पाता और सेल्स की बाहरी दीवार पर ही घुसने के लिए संघर्ष करता रहता है जिससे कि हम पानी पीने के बावजूद भी ही डिहाइड्रेटेड (प्यासे) महसूस करते हैं.

## आपके घर के पानी का आकार क्यों बदल जाता है?

शहरों में जो पानी पहुंचता है वह पानी संचित किया हुआ पानी होता है. आजकल हम देखे हैं कि हर नदी के ऊपर डेम बना दिए जाते हैं जहां पानी जमा होता है यह पानी फिर फिल्टर स्टेशन के द्वारा शहरों तक पहुंचता है जहां प्रत्येक कॉलोनी में म्युनिसिपल कॉरपोरेशन की एक बड़ी पानी की टंकी होती है फिर वहां इस पानी को जमा किया जाता है, वहां से यह पानी आपके घरों में पहुंचता है जहां आप एक बार फिर उसको आपके घर की टंकी में स्टोर करते हैं नीचे... और फिर एक बार पुनः आप मोटर से इस पानी को आपके घर की छत पर बनी हुई टंकी में चढ़ा देते हैं. मतलब पानी को बार-बार जमा किया जाता है, यह बहता हुआ पानी नहीं है इसीलिए इस पानी का आकार विकृत हो जाता है. गांव की स्थिति तो और भी बदतर है गांव के लोग तो ट्यूबवेल का पानी पीने के लिए मजबूर है, क्योंकि जो गांव नदी से दूर हैं, वहां पर नदी का पानी पहुंचाने की कोई भी ठोस व्यवस्था नहीं है. इसीलिए जो गांव नदी के तट पर बसे हैं वह हमेशा फायदे में रहेंगे, क्योंकि उन्हें हमेशा ताजा और बहता हुआ पानी पीने के लिए मिलेगा जो उनके शरीर पर सकारात्मक प्रभाव डालेगा.

## षट्कोणीय संरचना

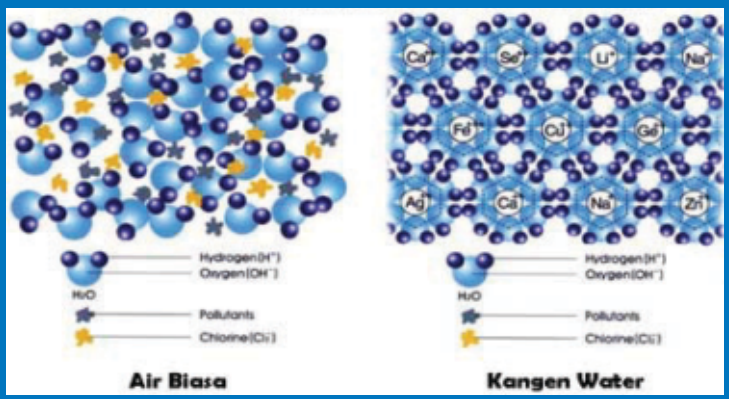


षट्कोणीय पानी एक पारदर्शी जालीदार संरचना बनाता है जो अंतरकोशिकीय संवाद जैसे पानी की अंतरकोशिकीय गतिविधी, एन्जाइम की कार्यप्रणाली तथा अन्य चयापचय की क्रियाओं में सहायक है।

शरीर मे षट्कोणीय पानी की मात्रा उम्र बढ़ने की प्रक्रिया से सीधे जुड़ी होती है, साथ ही यह भी पाया गया है कि यह पानी स्वस्थ्य कोशिकाओं के बाहरी आवरण को भी बनाता है। दुसरी तरफ अनियोजित पानी को बीमार और असामान्य कोशिकाओं के चारों ओर देखा जाता है।

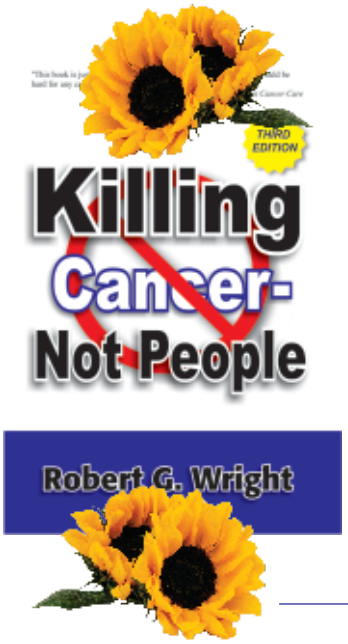


## किलिंग कैंसर नॉट पीपल

जो लोग क्लोरीन युक्त पानी पीते हैं उनमें कैंसर होने की संभावना 93 प्रतिशत है बनिस्बत उन लोगों के जो क्लोरीन युक्त पानी नहीं पीते . अधिकतर नलों में जो पानी आता है उसमें फ्लोराइड पाया जाता है . यह फ्लोराइड एक बाय प्रोडक्ट है जो हमें एल्युमिनियम उद्योग से मिलता है, यह एक प्रकार का जानलेवा जहर है . यह हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भी तेजी से कम करता है . साधारण पानी सामान्यत: एसिडिक होता है इसमें एंटी ऑक्सीडेंट की मात्रा शून्य होती है .हमारे शरीर को हाइड्रेट करने में इसे बड़ा संघर्ष करना पड़ता है

शरीर में अल्कलिनिटी बढ़ाने से शरीर में हो रहे ऑक्सीडेशन में कमी आती है . ऑक्सीडेशन के कारण फ्री रेडिकल्स का निर्माण होता है जिसके कारण हमारे शरीर में हेपेटाइटिस, सिरोसिस, डायबिटीज, पेनक्रिएटिक, नेफ्राइटिस लीवर का कैंसर तथा किडनी का कैंसर जैसी घातक बीमारियों का निर्माण होता है ...

## डॉक्टर बॉटमेनझी

हमारे रक्त में 94 प्रतिशत पानी होता है यदि हमारा शरीर पूरी तरह से हाइड्रेटेड है तो . हमारे रक्त में मौजूद लाल रक्त कण और कुछ नहीं है वरन पानी की थैलियां है जिसमें रंगीन हिमोग्लोबिन पाया जाता है

जब भी हमारे शरीर के किसी अंग में दर्द होता है तो यह पाया गया है कि उस अंग में मौजूद सेल्स में एसिड का संचय होने लगता है जो एक प्रकार की महत्वपूर्ण सूचना है जो हमारा शरीर हमें देता है कि वह तेजी से डिहाइड्रेट हो रहा है .

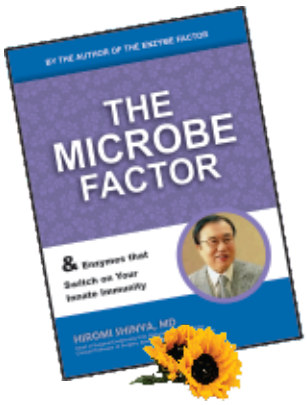


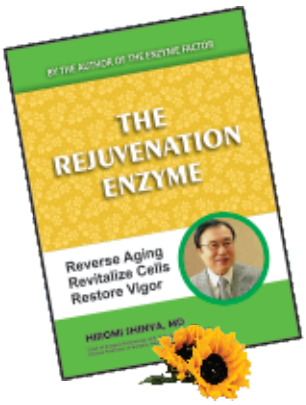


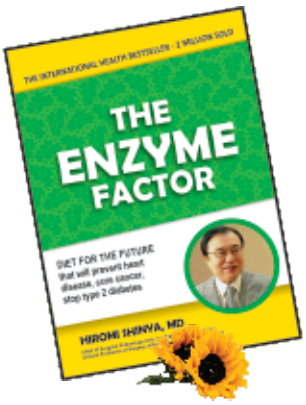


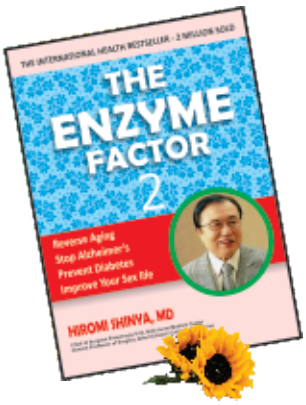


- केंगन पानी का नियमित सेवन आपको मोटापे से मुक्ति दिला सकता है .
- आपका शरीर अपने आप को स्वयं दुरुस्त करने में सक्षम है .
- बे खबरी आप को बीमार कर सकती है .
- कैल्शियम सप्लीमेंट एवं दुग्ध उत्पाद वास्तविकता में आपको ओस्टियोपोरोसिस की ओर ले जा सकते हैं .
- मेडिकेशन अक्सर आपको बीमार बनाता है .
- किसी भी प्रकार के एंटासिड आपके पेट को बदतर स्थिति में ले जा सकते हैं .

# 84 लाख योनियों में अकेला मानव ही ऐसा है

## जिसे यह समझना है

## भोजन कौन-सा सही है... उसे क्या खाना चाहिए ...क्या नहीं !

मानव के अलावा सभी जीव जंतु वही भोजन लेते हैं जो प्रकृति ने उन्हें दिया है लेकिन मानव ही एक ऐसा प्राणी है जो यह नहीं समझता कि उसे क्या खाना चाहिए और क्या नहीं अपितु कुछ भी खा लेता है.

तो हम यह जानना चाहते हैं कि हमारा भोजन कैसा होना चाहिए तो उसके लिए हमें यह समझना होगा कि ब्रह्मांड के अंदर 70 से 80% पानी है. उसी प्रकार हमारा शरीर भी ब्रह्मांड की तरह ही है जिसमें 70 से 80% पानी है और 20 से 30% हड्डी मास आदि है. इसका मतलब हमारे शरीर को चलाने वाला भोजन ऐसा होना चाहिए जिसमें 70 से 80% पानी हो. अब ऐसा भोजन कौन सा है तो हम देखते हैं की फल एवं सब्जियां पानी से लबालब है और एल्कलाइन भी है. इनका 70% से 80% पानी ही है.

### एल्कलाइन डाइट को थोड़ा और बेहतर तरीके से समझते हैं...

इस पृथ्वी पर दो प्रकार के पौधे हैं एक पौधा तो अच्छा हरा भरा है पत्तियां भी हैं फूल भी हैं फल भी है वहीं दूसरी और हम देखते हैं कि दूसरा पौधा एकदम सूख गया है. इस सूखे पौधे को हम पानी देना शुरू करते हैं और कुछ ही दिनों में देखते हैं कि यह पौधा भी हरा भरा हो गया है इसके टहनियों में वही लचक वापस आ गई है .

तो हमने क्या किया..... क्या हमने सूखे हुए पौधे को किसी केमिस्ट की दुकान पर भेजा या फिर इसे कोई विटामिन मिनरल्स के सप्लीमेंट दिए हमने कुछ नहीं किया.

तो हमने यह सीखा की मिट्टी और पानी के मिश्रण से सूखा हुआ पौधा वापस हरा भरा हो गया अकेली मिट्टी थी तब पौधा सूखा था और अकेला पानी भी किसी काम का नहीं था मिट्टी और पानी का मिश्रण पौधे को नया जीवन दे गया. विटामिंस और मिनरल्स तो मिट्टी के अंदर पहले से ही थे फिर भी पौधा सूख गया क्योंकि पानी नहीं था.

जब ईश्वर ने मानव को बनाया होगा तो शायद उसने भी यही सोचा होगा कि मानव की जड़ के अंदर भी मिट्टी और पानी का मिश्रण होना चाहिए क्योंकि मानव मिट्टी तो खाएगा नहीं इसलिए इस मिट्टी और पानी के मिश्रण से ढेर सारी सब्जियां एवं फल तैयार हुए. लेकिन मानव ने ईश्वर द्वारा बनाई गई इस खूबसूरत व्यवस्था का दुरुपयोग किया. मानव ने फल एवं सब्जियां जोकि अल्कलाइन भोजन है इससे किनारा कर लिया.

### हम दिन भर में कैसा भोजन करते हैं?

अगर मैं बात करूं तो सुबह का हमारा भोजन पोहा, उपमा, इडली, ब्रेड, कचोरी, समोसा इत्यादि....

यदि दोपहर के भोजन की बात करूं तो दाल भात रोटी सब्जी

फिर शाम के समय चाय के साथ बेकरी आइटम्स बिस्किट इत्यादि

यदि रात्रि भोजन की बात करें तो पुनः रोटी सब्जी परांठे इत्यादियदि मैं आपसे सवाल करूं यह 4 बार खाया गया भोजन अल्कलाइन है कि एसिडिक तो आपका क्या जवाब होगा... निश्चित ही है भोजन एसिडिक है .

एसिडिक भोजन करते करते 30 से 40 वर्षों में यह मानव शरीर

ठीक उसी प्रकार अकड़ जकड़ जाता है जैसे यह सुखा हुआ पौधा . मनुष्य के घुटनों का ग्रीस खत्म हो जाता है ,उसकी कमर में दर्द प्रारंभ हो जाता है, उसका कंधा जकड़ जाता है जिसको हम फ्रोजन शोल्डर कहते हैं, उसको सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस भी हो जाता है .

## शरीर में पथरी क्यों हो जाती है
## क्या तुम पत्थर खाते हो?

जिस प्रकार पानी की कमी से पौधा सूख जाता है मिट्टी पत्थर में बदल जाती है उसी प्रकार जब हमारे शरीर में पानी की कमी हो जाती है तो यही बार बार खाया हुआ एसिडिक भोजन पत्थर के रूप में हमारे शरीर में, हमारी किडनी में, हमारे गाल ब्लैडर में और हमारे लीवर में जमा हो जाता है. हमारे शरीर के सारे नरम अवयव जैसे हमारी किडनी, हमारा लीवर या तो सिकुड़ जाते हैं या फिर कड़क हो जाते हैं या फिर उन में सूजन आ जाती है. बार-बार खाया हुआ एसिडिक भोजन शरीर को बीमार बना देता है .सूखे हुए पौधे को जिस प्रकार मिट्टी और पानी का मिश्रण चाहिए ठीक उसी प्रकार हमारे सूखे हुए शरीर को भी मिट्टी और पानी का मिश्रण चाहिए जिसे हम अल्कलाइन डायट कहते हैं जो हमें फलों एवं सब्जियों से मिलती है.

अभी तक के मेरे अनुभव के आधार पर मैं कह सकता हूं कि मैंने अनेक कैंसर रोगियों को केवल प्राणायाम के माध्यम से रोग मुक्त किया है. कई लोगों के ब्रेन ट्यूमर ठीक हुए हैं .कई रोगियों को ब्लड कैंसर ,ब्रेस्ट कैंसर, पेनक्रिएटिक कैंसर, लिवर कैंसर, लंग कैंसर पॉलीसिस्टिक ओवरीज केवल और केवल प्राणायाम करने से अद्भुत लाभ मिला है. प्राणायाम करने से हमारे फेफड़ों में भरपूर ऑक्सीजन प्रवेश करती है और कैंसर के सेल्स ऑक्सीजन से भरपूर इस वातावरण में ज्यादा देर जीवित नहीं रह सकते और मर जाते हैं. आप मेरी बात माने तो कपालभाति एक प्रकार की नेचुरल कीमोथेरेपी है. प्राणायाम करने से शरीर की अल्कलिनिटी बढ़ जाती है यहां तक कि हमारी पेशाब का पीएच तेजी से एसिडिक से अल्कलाइन की ओर बढ़ता है और यह पूरी तरह से वैज्ञानिक है. कोई भी इसे करके देख सकता है. प्राणायाम करने से लोगों का बढ़ा हुआ क्रिएटनीन लेवल तथा बढ़ा हुआ प्रोस्टेट तक कम होते देखा गया है जो वास्तव में अद्भुत है. प्राणाायाम से शरीर के सारे सिस्टम आर्डर में आ जाते हैं, अलाइन हो जाते हैं तब फिर शरीर में मौजूद सारे डिसऑर्डर चले जाते हैं. ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस कम हो जाता है. - **बाबा रामदेव**

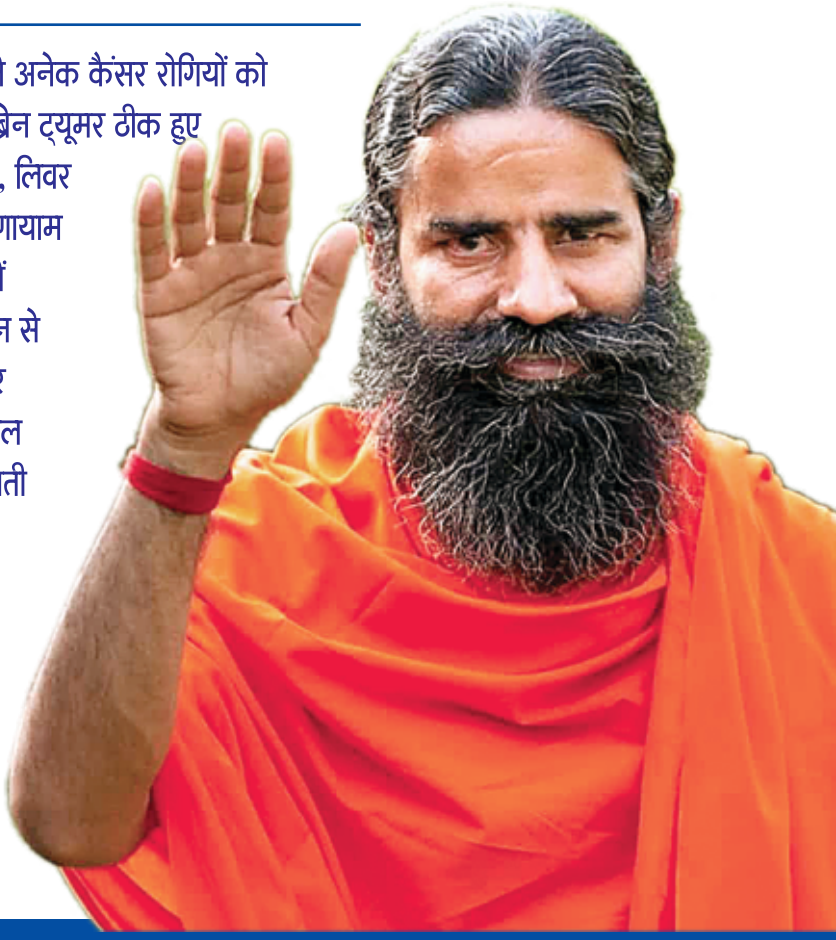

# आपका हृदय और 11.5 PH का केंगन पानी

केंगन मशीन द्वारा निकलने वाला 11.5 पीएच का पानी एक बेहतरीन **Emulsifier** है जो तेल को तोड़ने में पूरी तरह सक्षम है . इसको साबुन का पानी भी कहते हैं .जिस प्रकार साधारण पानी कपड़ों पर मौजूद जिद्दी दाग को नहीं निकाल सकता लेकिन साबुन के साथ मिलकर यह काम वह बखूबी कर लेता है ठीक उसी प्रकार आप जो साधारण पानी पीते हैं वह आपके शरीर में जमी हुई चिकनाई को नहीं निकाल सकता लेकिन 11.5 पीएच का पानी जिसे हम साबुन का पानी भी कहते हैं , आपके शरीर में मौजूद गंदगी को निकाल बाहर फेकता है . आपकी बड़ी आत में मौजूद पुराना से पुराना मल इस पानी के संपर्क में आने पर गल जाता है और आपके शरीर से बाहर निकल जाता है जो अनेक रोगों का कारण है . यह अद्भुत पानी आपके शरीर में मौजूद कोलेस्ट्रॉल एवं ट्राइग्लिसराइड के स्तर को भी आश्चर्यजनक रूप से कम करने में सक्षम है . 11.5 पीएच का पानी एक उत्तम पेस्टिसाइड है जो आपके किचन में मौजूद चावल दाल सब्जी और फलों में से पेस्टिसाइड को निकाल बाहर करता है और उनमें हाइड्रोजन की आपूर्ति करता है .

## क्या आप जानते है

## हृदय में कभी कैंसर क्यों नहीं होता?

आपने अनेक प्रकार के कैंसर सुने होंगे जैसे – आंतों का कैंसर ,फेफड़ों का कैंसर, प्रोस्टेट कैंसर , रेक्टल कैंसर ब्रेस्ट कैंसर, मुंह का कैंसर इत्यादि ' लेकिन कभी आपने सुना है कि किसी इंसान के **heart** में कैंसर हुआ हो ' जब वैज्ञानिकों ने इस बात का अध्ययन किया तो पता चला कि हमारे हृदय में बहने वाला खून का एक निश्चित वोल्टेज होता है और यह वोल्टेज होता है-**120 mv.**जैसे-जैसे यह वोल्टेज कम होता जाता है वैसे वैसे हमारा शरीर बीमार होता जाता है .-**90 mv** तब तो हमारा शरीर नए सेल्स का निर्माण करता रहता है लेकिन जब यह वोल्टेज- 50 के भी नीचे चला जाता है तब शरीर में धीरे-धीरे रोग पनपने लगते हैं और शरीर नए सेल्स बनाने की क्षमता खो देता है . कंगन पानी आपको देता है-

**250 mv** से-**800 mv**

का पानी जो आपके शरीर की सारी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है . सारा दिन आपको ऊजार्वान बनाए रखता है .

| Year | Month | Contents |
|---|---|---|
| 1974 | Jun | Sony's specialty trading operation, the precursor of Enagic®, began operations in Okinawa, Japan |
| 1987 | May | The Japanses Ministry of Health and Welfare authorizes of Enagic® Osaka factory as a medical equipment manufacturer |
| 1988 | Mar | Company became Kangen water® specialist with philosophy of "True Health" |
| 1990 | | The company change its name to Enagic® |
| 1998 | | Tokyo Shinagawa Office opened. The 8-point system created |
| 2000 | Jan | Enagic® began sales of core product LeveLuk® DX |
| 2002 | Apr | The LeveLuk® series of Kangen Water® machines is solely recommended by the Japanese Association for the Prevention of Geriatric Diseases |
| 2002 | Jul | Enagic® Japan was established in Sapporo |
| 2002 | Aug | The Enagic® Service Division was established especially for the service and maintenance. |
| 2003 | Jan | Designated "Global Year One." International operations were initiated and Enagic® USA, Inc. was born |
| 2003 | Jun | The LeveLuk® Super 501 and the Anespa® models was released |
| 2003 | Jul | Enagic® USA was established in Los Angeles |
| 2003 | Sep | Enagic® Taiwan was established in Taipei. Enagic® USA was established in Hawaii Honolulu |
| 2003 | Nov | The Yanbaru Natural Materials factory is opened in Okinawa and production begins on Ukon supplements |

| | | |
|---|---|---|
| 2004 | Apr | The Yanbaru Natural Materials factory is registered as an FDA facility |
| 2004 | May | Kangen Ukon is recommended by the Japanese Association for the Prevention of Geriatric Diseases |
| 2004 | Jun | Enagic® USA was established in New York |
| 2004 | Jun | Began sales of Kangen Ukon Sigma |
| 2004 | Sep | Began sales of LeveLuk® Sd501 |
| 2004 | Oct | Enagic® USA was established in Chicago |
| 2005 | Feb | The LeveLuk® DXII and JRII models was released |
| 2005 | Jul | Enagic® Hong Kong was established |
| 2005 | Aug | The term KANGEN WATER® is trademarked in the United States |
| 2006 | Apr | Enagic® USA is enrolled as an official member of the Direct Selling Association (DSA) |
| 2006 | Jul | Enagic® Canada was established in Vancouver |
| 2006 | Sep | The LeveLuk® Under-the-Counter model was released |
| 2008 | Apr | Enagic® Europe GmBH was established in Dusseldorf, Germany |
| 2008 | Oct | Enagic® forms an amateur baseball team |
| 2009 | Mar | The Enagic® Sports System, Inc. is established |
| 2009 | Apr | Enagic® de Mexico was established in Monterrey |
| 2010 | Apr | Enagic® Natural Hot Spring Aroma opened in Okinawa |
| 2010 | Apr | Enagic® USA was established in Dallas |
| 2010 | May | Enagic® Italy was established in Rome |
| 2010 | May | Enagic® Australia was established in Sydney |
| 2010 | Aug | The Enagic® Dual Pre-Filter System is released |
| 2010 | Aug | Enagic® Philippines was established in Makati City |
| 2011 | Mar | Enagic® Korea was established in Seoul |
| 2011 | Mar | Enagic® USA Service Center was established in Seattle |
| 2011 | May | Enagic® is granted trademark status for the exclusive 8-Point Business Model |
| 2011 | Aug | Enagic® receives WQA certification |
| 2011 | Sep | Enagic® USA was established in Florida |
| 2012 | Mar | Enagic® Singapore was established |
| 2012 | Mar | Enagic® Resort Golf Corse opened in Okinawa |
| 2012 | Jul | Enagic® Canada was established in Toronto |
| 2012 | Aug | Enagic® Malaysia was established in Kuala Lumpur |
| 2013 | May | Enagic® Portugal Training Center was established |
| 2013 | Nov | Enagic® Thailand was established in Bangkok |
| 2013 | Nov | Enagic® Romania Training Center was established |
| 2014 | Jan | Enagic® Indonesia was established in Jakarta |
| 2014 | Mar | Enagic® Brazil was established in Sorocaba |
| 2014 | Jun | Enagic® Global Convention and 40th anniversary held in Okinawa, Japan |
| 2014 | Jun | The LeveLuk® K8 models was released |
| 2014 | Oct | Enagic® Mongolia was established |
| 2015 | Oct | Enagic® Russia was established in Moscow |
| 2016 | Feb | Enagic® India was established in Bangalore |
| 2016 | Mar | Start selling Kangen Rice |
| 2016 | Oct | E8PA Grand Opening |
| 2017 | Oct | Enagic® Dubai was established |
| 2019 | Mar | Enagic® 45th anniversary |
| 2019 | Jul | Enagic® Japan was established in Fukuoka |
| 2019 | Jul | Enagic® Korea was established in Busan |
| 2020 | Aug | The LeveLuk® JrIV models was released |

किसी को सिर्फ इसलिए पानी नहीं पीना चाहिए क्योंकि ऐसा करना अच्छा है पानी की बोतल बनाने वाली कंपनी आजकल ऐसा ही बता रही है लेकिन जब आपको प्यास लगे तभी आपको पानी पीना चाहिए बस यह पक्का करने के लिए की आप पर्याप्त पानी पी रहे हैं 10% ज्यादा पानी पीजिए बस इतना काफी है .
यदि आप प्यासे हैं और पानी नहीं पी रहे हैं तो सिस्टम को नुकसान होगा, मैं तो कहूंगा यह बहस का बड़ा मुद्दा हो सकता है. मेडिकल क्षेत्र के लोग इसका जरूर विरोध करेंगे, लेकिन शायद 20 या 30 साल में वह इसी नतीजे पर आ जाएंगे. तो मेरे मुताबिक अगर हर कोई पर्याप्त मात्रा में पानी पीता है तो दुनिया में दिल के दौरे 50% कम हो जाएंगे, यदि पानी की जरूरी मात्रा सिस्टम में ना हो तो दिल को बहुत नुकसान पहुंचता है लेकिन पानी से मेरा मतलब बस पीने वाले पानी से नहीं है आपको ऐसा भोजन करना चाहिए जिसमें पानी की मात्रा ज्यादा हो अगर आप एक फल खाते हैं तो उसमें लगभग 90% पानी होता है सब्जियों और दूसरी चीजों में 70% से ज्यादा पानी होता है  जो भोजन आप करें उसमें  पानी की मात्रा कम से कम 70% होनी चाहिए .
पर दुनिया के इस हिस्से में अब यह बदल रहा है लोग इन चीजों के बारे में ज्यादा जागरूक हो रहे हैं. दुनिया के इस हिस्से में लोग जो खाते हैं वह बहुत सुखा खाना होता है. यदि आप बहुत कम पानी वाला खाना खाते हैं तो यह अंदर जाकर कंक्रीट की तरह आपके पेट में जम जाता है अब आप पानी पीते जाइए पीते जाइए उसका कोई फायदा नहीं होने वाला. आपको ज्यादा पानी वाला भोजन खाना चाहिए आपके खाने में मौजूद पानी का स्तर कम से कम आपके शरीर में मौजूद पानी के स्तर जितना जरूर होना चाहिए तो आप जो भी भोजन करें उसमें पानी की मात्रा कम से कम 70% दी होनी ही चाहिए तो इसीलिए फल और सब्जी

## सद्गुरु जग्गी वासुदेव

को आपके भोजन का हिस्सा जरूर होना चाहिए ताकि पानी हो. ब्रेड में केवल 25 से 30% पानी होता है और पके हुए मीट में उससे भी कम अगर आप इस प्रकार का भोजन करते हैं तो आपके साथ गंभीर मुद्दे होंगे. मैं आपको फिर बता रहा हूं यदि दुनिया के सभी लोग ज्यादा पानी वाला भोजन खाने लग जाए तो दिल की बीमारियों से होने वाली मृत्यु 50% कम हो जाएगी. दिल के दौरे से लोग नहीं मरेंगे. दिल के दौरे से मरने वाले लोगों की मृत्यु का एक कारण है बहुत कम पानी वाला भोजन.

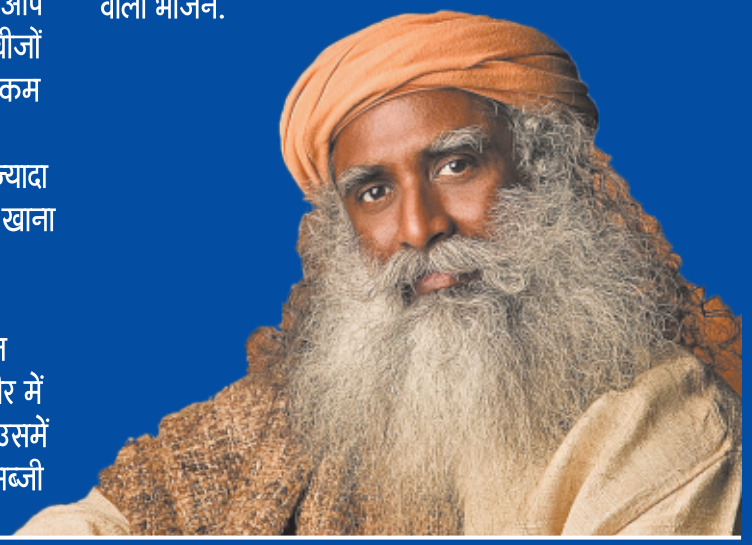

## श्री श्री रवि शंकर

हम जो खाना खाते हैं ना उसमें सब एसिडिक होता है एसिडिक खाना खाने से हम बीमारियों के लिए रास्ता खोलते हैं धीरे-धीरे जोड़ों का दर्द पेट का दर्द सिर का दर्द सब जगह दर्द होने लगता है इसके साथ अल्कलाइन जो है वह साथ में जाना चाहिए तो अल्कलाइन पानी भी लोगों को पीना चाहिए इस प्रकार का पानी भोजन के 1 घंटे पहले और भोजन के 1 घंटे बाद पीते रहने से क्या होगा कि हमारा ब्लड एल्कलाइन होने लगेगा.
अल्कलाइन ब्लड होते ही शरीर की काफी बीमारियां दूर हो जाती है और शरीर भी स्वस्थ रहता है और यह अल्कलाइन पानी बनाना इतना आसान है और यहां आश्रम में केंगन वाटर मशीन भी रखा है केंगन पानी उसको कहते हैं जिससे कि पीएच लेवल बढ़ता है तो जापान से यह मशीन आया है वह भी आश्रम में लगाया हुआ है. हम लोग जो भी भोजन करते हैं वह एसिडिक है उसको बैलेंस करने के लिए हमको एल्कलाइन भोजन भी करना चाहिए. हम जितना अनाज खाते हैं सब एसिडिक हो जाता है हम सब्जी जो खाते हैं वह एल्कलाइन होती है आपको रोज अल्कलाइन पानी पीना चाहिए.

## ब्रह्मकुमारी शिवानी दीदी

# जैसा पानी वैसी वाणी

देखो हमारे कल्चर में कैसी कैसी बातें इतनी सुंदर. आजकल तो हम कुछ भी खा रहे हैं कुछ भी पी रहे हैं. पहले हम क्या करते थे कि अगर हम ऐसे बैठे हैं पानी आया सामने रखा पानी पिया-आधा पिया-आधा गिलास बचा हुआ है, 10-15 मिनट बातें की, कहते हैं उसके बाद वह वाला पानी नहीं पीते थे क्यों क्योंकि 10-15 मिनट की सारी बातें चली गई उस पानी के अंदर, टेबल पर बैठे हुए 10 लोगों की वाइब्रेशन चली गई उस पानी के अंदर, वह पानी वापस भेजा जाता था और फ्रेश पानी आता था. पानी की ताकत-जैसा पानी वैसा वाणी... ऐसे ही नहीं लोग अपने बर्तन अपने साथ लेकर जाते थे पानी अपने घर का पीते थे इसको आज हम कहते हैं यह बड़े संकीर्ण थे. आप जिस घर का पानी पिएंगे उस घर के मन की स्थिति को आप अपने अंदर लेकर आते हैं. जिस भी घर का पानी पिएंगे उस घर के वातावरण में जो भी वाइब्रेशन होंगी उसको भी हम पीकर आते हैं. यह साइंटिफिकली प्रूवन है आप गूगल पर जाइए और केवल वाटर मेमोरी टाइप कीजिए पूरा का पूरा साइंटिफिक प्रूफ आपको मिल जाएगा कि कैसे पानी की याददाश्त होती है और कैसे पानी वाइब्रेशंस को अपने अंदर करता है . हमारे शरीर का 80% हिस्सा पानी है तो उसका हमारे ऊपर असर होने वाला है निश्चित ही...हम जो सोचते हैं उस पर हम अमल नहीं कर पाते और पानी और भोजन इसका प्रमुख कारण है. और इसीलिए हमारा रूपांतरण भी नहीं हो पाता क्योंकि पानी और भोजन के साथ हम बहुत सारी वाइब्रेशंस भी हमारे अंदर लेते हैं...